2018-19

सांसद आदर्श ग्राम में महिला सशक्तिकरण का अध्ययन ग्राम पंचायत अमलेश्वर एवं पाहंदा के संदर्भ में

सर्टिफिकेट कोर्स

कम्युनिटी बेस्ड पार्टिसिपेरी रिसर्च

के लिये प्रस्तुत परियोजना प्रतिवेदन

परियोजना निर्देशक
डॉ. रीता वेणुगोपाल

परियोजना प्रस्तुतकर्ता
सुधाबाला मिश्रा एवं सायरा बानो

महिला अध्ययन केन्द्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

l -dl	fooj .k	i "B dl-
1.	ilLrkouk (Introduction)	1
2-	v/; ;u {k= (Study Area)	1
3-	'kkl/k ifo/kh ,ol rduhd (Research Method & Technique)	3
4-	elÌl (Issues)	3
5-	ifj .kke (Finding)	4
6-	l|>ko (Suggestion)	5
7-	Recommendation	6

iLrkouk (Introduction)

गांवों के विकास के लिए सांसद आदर्श ग्राम योजना शुरू हुई थी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर, 2014 को यह योजना शुरू की थी इस योजना के तहत देश के सभी सांसदों को एक साल के लिए एक गांव को गोद लेकर वहां विकास कार्य करना होता है. Saansad Aadarsh Gram Yojana (SAGY) के अंतर्गत, प्रत्येक सांसद एक ग्राम पंचायत को गोद लेता है और सामाजिक विकास को महत्व देते हुए इसकी समग्र प्रगति की राह दिखाता है आदर्श ग्राम को स्थानीय विकास एवं सुशासन का संस्थान होना चाहिए जो अन्य ग्राम पंचायतों को प्रेरित करें।

छत्तीसगढ़ सरकार की बिहान योजना महिलाओं को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने की एक योजना है इस योजना में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया जाता है। बिहान योजना से जुड़ी महिलाएँ सिलाई–कढ़ाई करने, जैविक खाद, आचार, पापड़, बड़ी, मशरूम की खेती आदि कार्य करती है इस योजना में महिलाएँ समूह के द्वारा खुद के बनाए सामानों को बाजार में विक्रय करती है।

v/;;u {k= (Study Area)

परियोजना कार्य हेतु ग्राम पाहंदा एवं ग्राम पंचायत अमलेश्वर विकासखंड पाटन जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ का चयन किया गया है सर्वप्रथम ग्राम पंचायत अमलेश्वर के सरपंच को परियोजना से अवगत कराते हुए अध्ययन की अनुमति प्राप्त कर सर्वे किया गया तत्पश्चात् परियोजना से संबंधित कार्य प्रारंभ किया गया। परियोजना कार्य हेतु सरपंच के माध्यम से एकत्र ग्रामीण समुदाय जैसे – महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। बिहान योजना का प्रमुख उद्देश्य बी.पी.एल परिवार की महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से योग्य बनाना है। ग्राम अमलेश्वर और ग्राम पाहंदा में 180 महिलाओं का 18 स्वसहायता समूह कार्यशील है, 4 महिला स्वसहायता का चयन किया अध्ययन

के लिये। जिसके द्वारा आचार, पापड़, मसाले, नमकीन, गोबर खाद, गो मूत्र से खेती में उपयोग होने वाले सामग्री का निर्माण किया जा रहा है ।

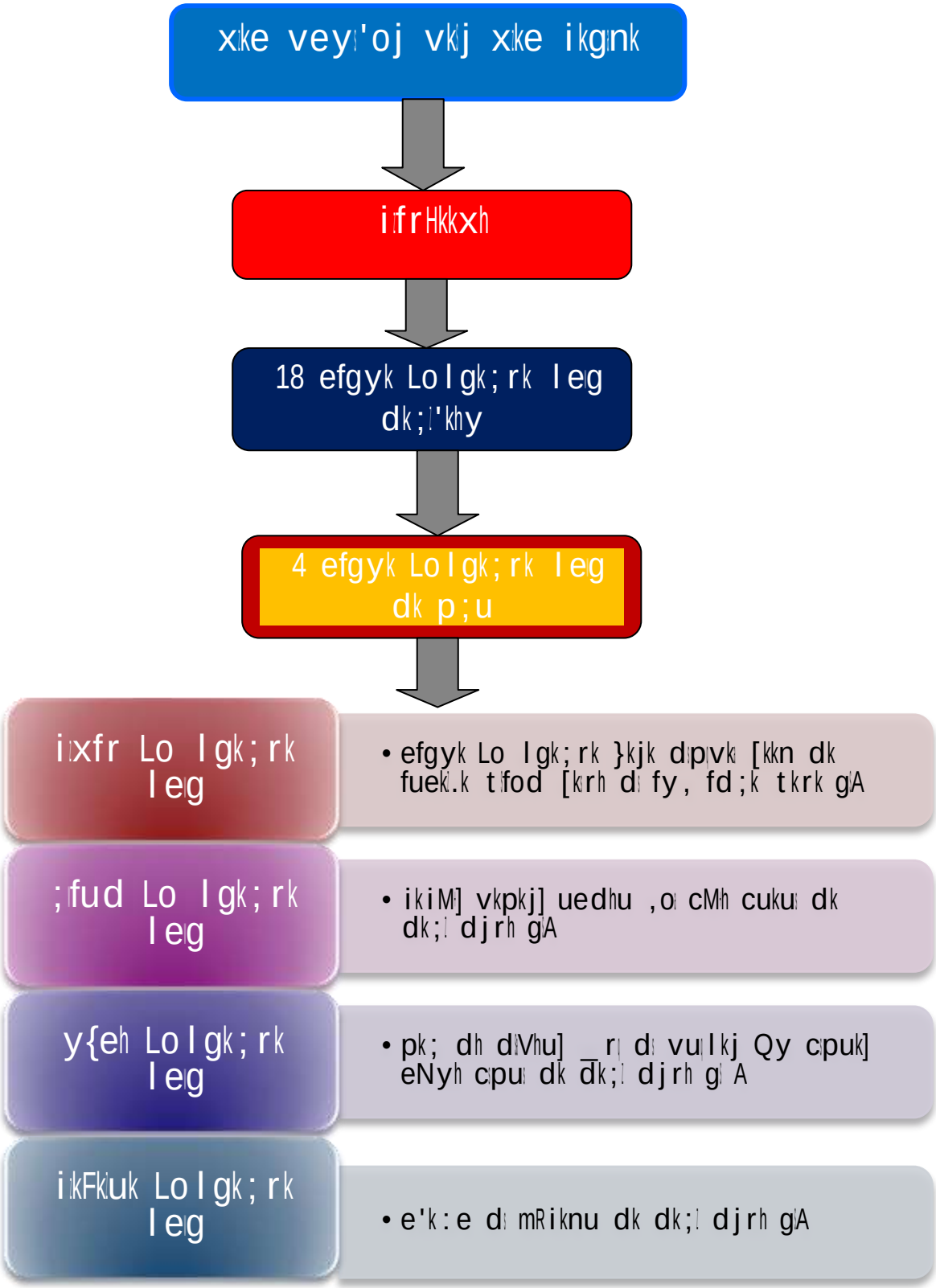

'kks/k i)fr/kh ,oa rduhd (Research Method & Technique)

परियोजना हेतु तथ्य का संग्रहण करने के लिये Community Based Participatory Research (CBPR) के निम्नलिखित शोध तकनीकों का प्रयोग किया गया है –साक्षात्कर (Interview), केंद्रिय समुह वार्ता (FGD), एंव वैयक्तिक अध्ययन (Case Study).

lk{kkRdkj
(Interview)

dfn; leg okrk
(FGD)

o;fDrd v/;;u
(Case Study)

e|s (Issues)

i f'k{k.k – सिलाई–कढ़ाई, जैविक खाद, आचार, पापड़, बड़ी, एवं मशरूम की खेती आदि।

ekdfVx – स्वसहायता समूह द्वारा निर्माण किये गये वस्तु का सही दाम में बाजार से मूल्य प्राप्त करना।

txg dh miyC/krk – स्वसहायता समूह को उनके स्थानीय गाँव में एवं शहर के विभिन्न कार्यक्रम में विक्रय की सुविधा उपलब्ध करने

घर के लोगों को बाहर कार्य करने के लिए समझाना

ifj.kke (Finding)

- बिहान में महिलाओं को समूह में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है इसमें 12–15 महिलायें मिलकर एक समूह का निर्माण करते है जिसमें एक महिला अध्यक्ष होती है। बिहान महिलाओं को आय के साधन निर्मित करना, पैसे की बचत, पैसे को सही जगह लगाना और उससे आय बढ़ाना, बैकिंग प्रणाली सिखाने का कार्य करती है।
- बिहान योजना से जुड़ने के बाद ग्राम अमलेश्वर और ग्राम पाहंदा की महिलाओं के जीवन स्तर पर आमूलचूल परिवर्तन दिखाई दे रहा है पूर्व में महिलायें जहाँ बड़े–बड़े फैसले के लिए अपने पति और घर के पुरूष सदस्यों पर निर्भर रहती थी आज वही महिलाएं निर्णय स्वंय ले रही है ।
- महिला स्वसहायता समूह द्वारा संसद आर्दश ग्राम पहन्दा एवं अमलेश्वर में मशरूम की खेती की जा रही है लेकिन सही मूल्य प्राप्त न होने की वजह से स्वसहायता समूह को कई तकलीफों का समाना करना पड़ रहा।
- महिलाओं को स्वरोजगार के साधन मिलने से वर्तमान में समूह के प्रत्येक महिला की मासिक आय 2000रू है समूह में महिला हर 15 दिन में बैठक आयोजित की जाती है जिसमें वे 100रू एक महीन में प्रत्येक सदस्य से इक्कठा किया जाता है और यह राशी बैंक में जमा की जाती है या फिर समूह के अध्यक्ष के पास जमा होता है जिस सदस्य को पैसे की आवश्यकता होती है वो ब्याज पर यह राशी ले लेती है जिससे समूह के राशि में बढ़ोत्तरी होती है। इस प्रकार समूह में जमा राशि से वे समय पर आय के साधन जुटा सकती है। इससे जीवन स्तर पहले से काफी सुधार आ रहा है।

- योजना में जुड़कर महिलायें गाँव विकास के लिए कार्य कर रही है – स्वच्छता अभियान के तहत कार्य करके जागरूकता फैलाना हो या रैली के माध्यम से चुनाव और मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम करना हो महिलायें बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है एवं गाँव के विकास के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

➢ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नरवा, गरवा, घुरवा, बारी योजना संचालित है जिसमें दोनों ग्राम के महिलाओं को गौठान से सम्बन्धित कार्य की जिम्मेदारी सौपी गई है यह कार्य महिलाओं की रूचि और कार्य पूर्णता को देखते हुए दिया गया है।

I>k0 (Suggestion)

- सांसद आदर्श ग्राम बनाने के लिए महिलाओं के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो का वीडियों बनाकर अन्य गाँव में प्रदर्शित कर वहां की महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप महिलाओं को स्वालम्बी बनाने की योजनाएं निर्धारित करना।
- सांसद ग्राम में समय–समय पर ग्राम सभा, महिला समूहों एवं अन्य संगठनों के माध्यम से गाँव के विस्तार और विकास के लिए चर्चा आयोजित किया जाना चाहिए।
- स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, वृक्षारोपण एवं मनरेगा के अन्तर्गत रोजगार जैसे कार्य में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देना चाहिए ।
- जिम्मेदार व्यक्तियों को समय–समय पर ग्राम की स्थिति एवं विश्लेशण की समीक्षा करना चाहिए ताकि गाँव में महिलाओं की समस्या का निवारण किया जा सके।
- जिला कलेक्टर और खासकर नागरिक आपूर्ति, सामाजिक कल्याण, भू–राजस्व, महिला बाल विकास एवं स्वसहायता समूह इत्यादि से संबंधित मुख्य जिला स्तरीय अधिकारियों की भागीदारी से शिकायत निवारण शिविरों का आयोजन समय–समय पर करना चाहिए। ताकि गाँव में संचालित परियोजना का क्रियान्वयन समय–समय पर हो।
- बेसलाईन सर्वे किया जाए ताकि ज्ञात हो की गाँव में कितने प्रतिशत महिलाओं के पास रोजगार है और वह किस प्रकार का कार्य कर रही है तथा उनके कार्य में क्या–क्या समस्या आ रही है उससे संबंधित डाटा तैयार करना चाहिए।
- विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों, निजी एवं स्वैच्छिक अभिनव पहलों में तालमेल बिठाना ताकि जनता की आकांक्षाओं और स्थानीय क्षमता के व्यापक विकास हो सके।

- स्वैच्छिक संगठनों, सहकारी और शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थाओं के साथ भागीदारी बढाना।
- सोशल मैप, संसाधन मैंपिंग एवं नीड्स मैट्रिक्स तकनीकों का प्रयोग किया जाना चाहिए।
- संसाधन मैपिंग के माध्यम से गाँव में उपलब्ध प्राकृतिक और भौतिक संसाधनों की जानकारी हासिल करने में सहायता मिलती है और यह कार्य स्थानीय गांव के लोग एवं महिलाओं के द्वारा तैयार किया जाना चाहिए।
- नीड्स मैट्रिक्स गाँव के लिए आवश्यक विशेष रूप से महिलाओं के लिए उसका विश्लेषण करना अतिआवश्यक है।
- स्वसहायता समूह का पारिश्रमिक बहुत कम है जिसे बढ़ाना चाहिए। स्वसहायता समुह जो भोजन बनाने का कार्य, सिलाई एवं अन्य स्वलंबन का कार्य कर रही है उन्हें सही मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है।
- सांसद ग्राम में बिहान योजना के तहत महिलाओं को आय के साधन निर्मित करना पैसे की बचत करना, पैसे को सही जगह लगाना और इससे आय बढ़ाना, बैकिंग प्रणाली सिखाने का कार्य किया जाना चाहिए।

Recommendation

- स्थानीय स्तर एवं शहरीय क्षेत्रों में महिला स्वसहायता समूह को बाजार उपलब्ध करना।
- महिला स्वसहायता समूह को उनके द्वारा निर्माण की गई वस्तु का सही मूल्य निर्धारण (दाम) एवं मानकीकरण (standardization) के लिए प्रशिक्षण करना ।
- महिला स्वसहायता समूह को उनके के द्वारा निर्माण की गई वस्तु का बाजार में विज्ञापन की सुविधा उपलब्ध करना। ताकि उनके द्वारा तैयार किये गये वस्तु का सही मूल्य प्राप्त हो और सही प्रचार–प्रसार हो।
- गांव के विकास के लिए महिलाओं के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो को वीडियों बनाया जाए जिसे अन्य गाँवों में प्रदर्शित कर वहां की महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

प्रार्थना महिला स्वसहायता समूह (मशरूम की खेती½ के साथ चर्चा एवं उनके उत्पादन का अवलोकन

गाँव की महिलाओं के साथ परिचर्चा

यूनिक महिला स्व सहायता समूह के साथ चर्चा एवं उनके उत्पादन का अवलोकन